धान की खेती की कृषि कार्यमाला

किस्म – चंचल

क्रमांक	कार्यविधियाँ	कार्यविधियों का वर्णन
1	जलवायु	धान की खेती के लिए जलवायु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। धान की खेती एवं बढ़वार के लिए तापमान 20 से 30 डिग्री सेल्सिल्स उचित रहता है।
2	मिट्टी (मृदा)	धान की खेती विभिन्न प्रकार की मिट्टी जैसे दोमट एवं चिकनी मिट्टी में की जा सकती है। जिसकी PH मान 5.5 से 7.5 हो।
3	खेती की तैयारी	धान की खेती के लिए 2–3 बार गहरी जुताई करें। फिर पाटा चलाकर मिट्टी को भुरभुरी बनाकर खेत को समतल कर लें। खेत को इस तरह तैयार करें। जिससे बरसात का पानी खेत में रोका जा सके।
4	बीज दर	6 kg प्रति एकड़ ट्रांसप्लानटिंग के लिए।
5	पौधे से पौधे की दूरी	10 से 15 सेन्टीमीटर
6	बोने का समय	खरीफ में जून से जुलाई. रबी में नवम्बर से फरवरी.
7	कतार से कतार की दूरी	20 से 25 सेन्टीमीटर
8	उर्वरक/एकड़	NPK 40:20:20
9	सिंचाई	रोपाई से एक सप्ताह पहले खेत की सिंचाई करें और फिर पानी भरकर पडलर व टिलर से जुताई कर खेत को समतल और लेययुक्त बनाऐं। धान के खेत में हमेशा 2 से 3 इंच पानी जमा रहना चाहिए।
10	खरपतवार नियंत्रण	अपने निकटतम कृषि विशेषज्ञ से परामर्श लेकर ही रासायनिक खरपतवार नाशक का जरुरत के अनुसार छिड़काव करें।
11	कीट एवं रोग नियंत्रण	यह धान की प्रजाती कीट एवं रोगों के प्रति सहनशील है। लेकिन कीट और रोग दिखने पर विशेषज्ञ से सलाह लेकर दवा का छिड़काव करें।
12	फसल की कटाई	धान की बाली में दाने पूरी तरह भरने पर ही धान की कटाई करें।
13	विशेषज्ञ सुझाव	कटाई के बाद फसल को अच्छी तरह सुखा कर भंडारण करें।

विगर बायोटेक प्राइवेट लिमिटेड

ग्राम - तराना, तहसील सांवेर,जिला इन्दौर (म.प्र.)